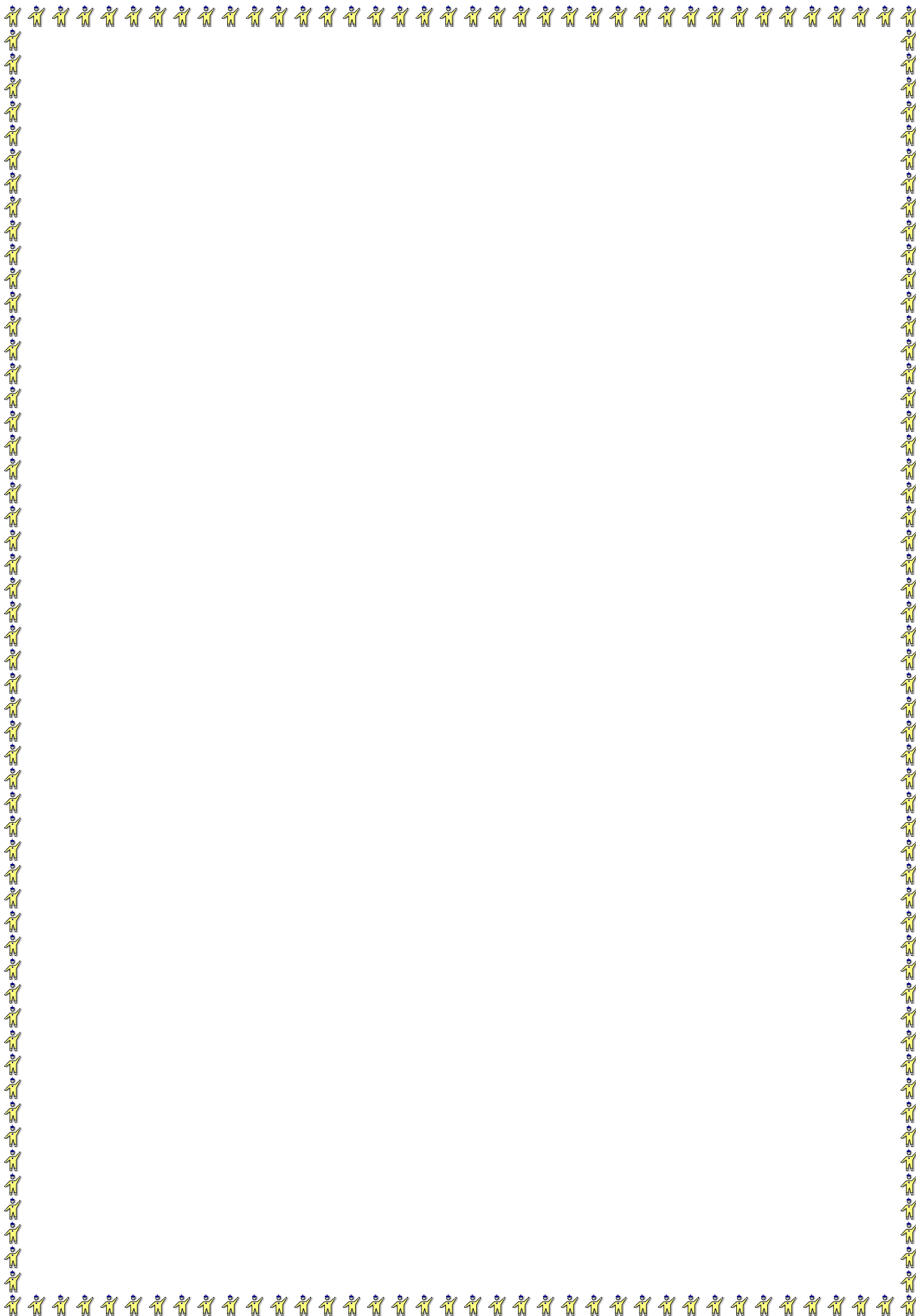




सामर्थ्य सेवा संस्थान

(शिक्षा, रोजगार, समानता, सशक्तिकरण)

वार्षिक प्रतिवेदन

2017–18

(01 अप्रेल 2017 से 31 मार्च 2018 तक)



G-1, आनन्द विहार कॉलोनी, सिविल लाईन्स, कोठी रोड़,
झालावाड़ (राज0)–326001



+91-7742338933, +91-7014899543

E-Mail : samarthya.jwr@gmail.com, Website : www.samarthyasansthan.org

वार्षिक प्रतिवेदन 2017-18

प्रस्तावना :-

दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं, यह किसी भी जाति, धर्म, समुदाय के परिवार में हो सकती है, यह ना ही कोई बीमारी है, जो एक दूसरे के साथ रहने से बढ़ती है, यह एक स्थिति है। साथ रहने से बढ़ता है तो आपसी प्यार, भाईचारा और निवारण होता है, एक दूसरे की समस्याओं का। अतः आज के समय में इन दिव्यांग बालकों को साधन सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध करवाकर उनके सर्वांगीण विकास में योगदान करने की आवश्यकता है जिससे वह आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। यह दायित्व सरकार के साथ ही समाज के प्रत्येक व्यक्ति का बनता है। इन दिव्यांग बालकों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य कार्य भी नहीं है। कहा गया है कि जिसमें राग, द्वेष, छल, कपट कुछ नहीं है वह साक्षात् भगवान होता है और इन दिव्यांग बालाकों में भी यह सब नहीं है तो हमें इन साक्षात् भगवान की प्रतिभूति की सेवा का मौका मिला है जो भाग्यशाली को ही मिलता है। ऐसे ही जन कल्याणकारी कार्यों की कड़ी में “सामर्थ्य सेवा संस्थान, झालावाड़” दिव्यांगजन कल्याण हेतु अग्रसर है।

संस्था परिचय :-

सामर्थ्य सेवा संस्थान जो कि दिव्यांगजनों के कल्याण, सामाजिक न्याय, जीवनयापन योग्य विकास एवं मानव अधिकार हेतु समर्पित है। इसकी स्थापना 13 मार्च 2018 को हुई। स्वतन्त्रता पूर्वक विचारों के आदान-प्रदान कर अधिकार मूलभूत मानव अधिकार है और जीवन यापन योग्य विकास की आवश्यकता है। संस्था सूचना के विस्तार एवं जीवन यापन योग्य विकास की आरम्भिक उन्नति, समाज के निर्धन एवं मध्यमवर्गीय व्यक्तियों की आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के प्रति भी समर्पित है।



जनसम्पर्क :-

“सामर्थ्य सेवा संस्थान” ने अपने स्तर पर सुदूर ग्रामीण अंचलों के गावों में घर-घर (Door to Door) सीधा सम्पर्क संस्था के द्वारा लगाये गये विशेष शिक्षक एवं केयर गिवर्स के माध्यम से जनसम्पर्क कर उन्हें दिव्यांगता के बारे में वास्तविक जानकारी देकर आवश्यक उपलब्ध सुविधाएं दिव्यांग प्रमाण पत्र, बस व रेल पास, उपकरण सहायता, पेंशन एवं अन्य सुविधाओं के आवेदन पत्रों की पूर्ति कर तैयार करवाकर सम्बन्धित विभागों के माध्यम से सुविधायें उपलब्ध करवायी गई (श्रवण यंत्र, ट्राई साईकिल, व्हील चेयर, बैसाखी, केलिपर्स, मैग्नीफाइन ग्लास, चश्मा आदि) साथ ही शिक्षा योग्य बालक बालिकाओं को शिक्षण प्रशिक्षण, खेलकूद, मनोरंजनात्मक सुविधाएं संस्था द्वारा निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई।



संस्था के उद्देश्य :-

संस्थान का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगता के प्रति समाज में जागरूकता लाना, परामर्श देना, विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित करना एवं विशेष शिक्षा, भौतिक चिकित्सा (Physiotherapy), ऑक्यूपेशनल चिकित्सा (Occupational Therapy) वाक एवं भाषा चिकित्सा (Speech Therapy), व्यावसायिक प्रशिक्षण (Vocational Training) एवं खेलकूद द्वारा दिव्यांगों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें आत्म निर्भर बनाकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है। साथ ही आगे चलकर भविष्य में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 एवं राष्ट्रीय न्यास अधिनियम 1999 के तहत उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक लाभ दिलाना तथा विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर दिव्यांगजन को लाभ पहुंचाना है।



सामुदायिक पुर्नवास कार्यक्रम :-

झालावाड़ एक ऐतिहासिक जिला है जिसे 8 ब्लॉको में विभक्त किया गया है। जिससे कई ग्रामीण क्षेत्र जुड़े हुए हैं। ग्रामीण व्यक्ति इन बड़े कस्बों में कार्य करने



एवं अपने परिवार का पालन पोषण हितार्थ आते हैं। इस क्षेत्र में दिव्यांगता के प्रति बहुत ही कम जागरूकता देखने को मिलती है। इन कारणों से जिले के दिव्यांगजन बच्चे हमारे संस्थान में आकर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इन सब बातों को ध्यान में रख कर संस्था ने सोचा की हम खुद जाकर इन दिव्यांगजनों की मदद कर उनका पुर्नवास करें। दिव्यांगजनों की परिस्थितियों के मध्य नजर रखते हुए हमारे संस्थान ने झालरापाटन तहसील की मण्डावर, दुर्गपुरा तथा गागरोन में सामुदायिक पुर्नवास कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया तथा इसकी शुरुआत वर्ष 2017 के अक्टूबर माह से की गई। जिसके प्रथम चरण में हमारे द्वारा इन



पंचायतों में सामुदायिक कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनी एवं दिव्यांग बालकों के अभिभावकों से मिले एवं उनका दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने के लिए मार्गदर्शन देकर प्रोत्साहित किया गया। संस्था के कार्यकर्ता इन बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं को उपलब्ध करवाने का सुनिश्चय किया।

सामर्थ्य विशेष विद्यालय :-

संस्था द्वारा जुलाई 2017 में 5 विशेष छात्रों से एक कमरे में विशेष विद्यालय का शुभारम्भ किया गया, जिनमें मानिसक, दिव्यांग मस्तिष्क पक्षघात व मूक बधिर छात्रों को प्रवेश दिया गया है। जहां अनुभवी प्रशिक्षित विशेष शिक्षक द्वारा विशेष शिक्षा प्रदान की जा रही है।

सामर्थ्य दिव्यांगजन बाल अभिभावक परामर्श केन्द्र — संस्था द्वारा संचालित विशेष आवश्यकता वाले बालक बालिकाओं के अभिभावक को निःशुल्क परामर्श एवं अप्रवेशित बालकों को वाक व भाषा चिकित्सा (Speech Therapy), भौतिक चिकित्सा (Physiotherapy), ऑक्युपेशनल चिकित्सा (Occupational Therapy), मनोरंजनात्मक क्रियाये (Recreational Activities) गृह आधारित कार्यक्रम (Home Based Programme), सामुदायिक आधारित पुनर्वास (Community Based Rehabilitation), जैसी मूलभूत सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जाती रही है।

आयोजित उत्सव समारोह :-

आलोच्य वर्ष में राष्ट्रीय त्यौहारों में 15 अगस्त, 26 जनवरी, विश्व मिर्गी रोग दिवस, विश्व विकलांग दिवस (3 दिसम्बर), विश्व मंदबुद्धि दिवस (7 दिसम्बर), विश्व बधिर दिवस, संगोष्ठी आदि समारोह पूर्वक मनाएं गए साथ ही जिला प्रशासन के सम्बन्धित कार्यों में सहभागिता निभाई।



जिला स्तरीय दिव्यांगजन खेलकूद प्रतियोगिता एवं कोच प्रशिक्षण कार्यक्रम :-

संस्था द्वारा स्पेशल ओलम्पिक्स भारत, राजस्थान के सहयोग से युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना "खेलो इण्डिया" योजनान्तर्गत दिनांक 25.02.2018 से 28.02.2018 तक झालावाड़ में जिला स्तरीय दिव्यांगजन प्रतियोगिता व कोच प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न



दिव्यांग खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में भाग लेकर पदक जीते। आयोजन जन भागीदारी द्वारा किया गया। इसमें 227 मानसिक दिव्यांग, मूक बधिर दिव्यांग, दृष्टि बाधित दिव्यांग व अस्थि दिव्यांग खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया एवं कोच प्रशिक्षण कार्यक्रम में 50 (अभिभावक, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, डॉक्टर्स) आदि ने भाग लिया।



राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में भागीदारी :-

स्पेशल ओलम्पिक्स भारत राजस्थान के सहयोग से आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में संस्था के माध्यम से जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में जिन दिव्यांग खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया उन्हें संस्थान के माध्यम से राज्य स्तरीय दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता दिनांक 22.03.2018 से 24.03.2018 तक



पिलानी, झुंझनू में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्रदान करवाया गया जिसमें कुल 48 मानसिक दिव्यांग, श्रवण बाधित, दृष्टि बाधित तथा अस्थि दिव्यांग खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर 22 स्वर्ण, 18 रजत व 15 कांस्य पदकों के साथ कुल 55 पदकों को साथ राज्य स्तर पर दूसरे स्थान

पर रहे।

राष्ट्रीय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में भागीदारी –
स्पेशल ओलम्पिक्स भारत व युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना “खेलो इण्डिया” के अन्तर्गत गांधीनगर (गुजरात) में प्रथम खेलों इण्डिया राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में संस्था के माध्यम से



झालावाड़ जिले के तीन दिव्यांग खिलाड़ियों का चयन संस्था के अथक प्रयास व लगन मेहनत से हुआ जिसके फलस्वरूप राष्ट्रीय स्तर पर गोला फेंक में स्वर्ण, सॉफ्टबॉल थ्रो में स्वर्ण, 50 मीटर दौड़ में रजत, एक कांस्य पदक के साथ 2 गोल्ड, 1 रजत व 1 कांस्य व 2 Participation Ribbon पदक के साथ कुल 6 पदक राष्ट्रीय स्तर पर जीतकर राज्य का व संस्था का नाम गौरान्वित किया। संस्था भविष्य में योग्य दिव्यांग खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने हेतु प्रतिबद्ध है तथा प्रोत्साहित कर आगे खेलने

का अवसर संस्था के माध्यम से प्रदान करवाया जाता रहेगा, जिससे दिव्यांग खिलाड़ी समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें।

राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने वाले दिव्यांग खिलाड़ियों को माननीय जिलाधीश महोदय डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी द्वारा अपने कार्यालय में माला पहनाकर सम्मानित किया तथा भविष्य में और अच्छा प्रदर्शन करने का आशीर्वाद दिया।



विशेष :-

संस्था का जिला प्रशासन एवं समाज के सभी तबकों का सहयोग प्राप्त है। जिसके फलस्वरूप संस्था अपने कार्यक्रम भली भांति प्रकार से संचालित करती रहती है। संस्था के पास योग्य व अनुभवी कर्मचारी कार्यरत है जो कि विभिन्न कार्यक्रमों के संचालित करने में नियमित रूप से अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करते रहते हैं।

28 अगस्त 2017 में 17वां बिहार अवार्ड सम्मान समारोह के अन्तर्गत संस्था के सचिव को राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांगों के खेलकूद हेतु राष्ट्रीय खेल प्रशिक्षक के लिए “पतंजलि सम्मान” से श्री जीतनराम मांझी (पूर्व मुख्यमंत्री) बिहार द्वारा पटना में आयोजित सम्मान समारोह में प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्था द्वारा समय समय पर स्पेशल ओलम्पिक्स भारत के विभिन्न खेल कौशल विकास कार्यक्रमों में दिव्यांग खिलाड़ियों व स्टाफ को प्रशिक्षण हेतु भेजा जाता रहा है।



है। प्रतियोगिता के शुभारंभ के पश्चात किसी का भी नाम नहीं जोड़ा जायेगा। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, बोधी, फुटबाल, बैडमिन्टन, वालीबाल, कबड्डी, खो-खो व किछट आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। किसी प्रतियोगिता हेतु आवश्यक टीम संख्या उपलब्ध नहीं होने पर आयोजन कर्ता द्वारा उस प्रतियोगिता को रद्द किया जा सकता है।

के बालाजी से 20, सरस्वती मुखर्जी
बाथर आवासिय विद्यालय
झालरापाटन से 12, तथा नितेश
नेहरोन आवासिय विद्यालय मुर्दा
से 16 विद्यालयों में भाग लिया
स्पेशल ओलम्पिक्स भारत के
नेशनल कोच रामजीलाल
चन्दलवाल के बाल्या कि इस
प्रयोगिता के दौरान पेशेवरलेन
बैडमिन्टन, बॉलीबाल, टेबल
टेनिस, बॉबी, तथा ग्रेड स्केटिंग
आदि प्रयोगिताओं में झालरापा
के दिव्यांग विद्यालयियों ने 22
गोल्ड, 18 सिल्वर तथा 15 ब्रॉन्ज
मेडल के साथ कुल 55 मेडल के
साथ राक्ष स्थर पर दूसरे स्थान
पर रहे।

A group of students and teachers, mostly wearing orange uniforms, are seated in white plastic chairs for a school assembly. They are all wearing garlands of marigold flowers. The background features a red and white striped banner.

स्पेशल ओलम्पिक भारत के नेशनल ट्रेनर रामजीलाल चन्द्रवाल ने बताया कि क्रिकेट मैच केसरी क्लब व प्रकाश क्लब के मध्य खेला गया जिसमें प्रकाश क्लब ने केसरी क्लब को 9 हराया। विजेता व उपविजेता को गोल्ड मेडल व सिल्वर तथा समृति चिह्न दिए।

एथेलेटिक्स प्रतियोगिताएं भी हुईं। मुख्य अतिथि डॉ. दिलीप कुमार शर्मा ने कहा कि दिव्यगणों की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। प्रतिभा सभी में होती है, बस इसे पहचानने की आवश्यकता होती है। प्रतियोगिता के शुभारम्भ में मशाल देती राग पार्क से प्रारम्भ होकर शहर के मुख्य मार्ग से होती हुई, भवानी क्रिकेट ग्राउंड में पहुंची जिसमें सामर्थ्य सेवा संस्थान, जिला विकलांग संघ, विशेष योग्यजन कल्याण संघ, साईं मानसिक विमान्त आवासीय विद्यालय, नेत्रहीन अवासीय विद्यालय के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

खिलाड़ियों का कलक्टर ने किया सम्मान

झालावाड़ @ पत्रिका. युवा मामले एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना अन्तर्गत राज्य स्तरीय दिव्यांगजन खेलकूद प्रतियोगिता पिलानी में स्पेशल ओलम्पिक्स भारत राजस्थान द्वारा आयोजित की गई। जिसमें 20 मानसिक दिव्यांग खिलाड़ियों ने भाग लेकर 11 गोल्ड, 8 सिल्वर व 5 ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किए। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने मंगलवार को उनके कक्ष में सभी मानसिक दिव्यांग खिलाड़ियों का माला पहनाकर सम्मान किया।



फाजयाथरपा स मरीजों को राहत...

411 मरीजों का इलाज, परामर्श

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

झालावाड़. फिजियोथेरेपी लिवर एसआरजी चिकित्सालय, आयोजित किया। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श व उपचार प्रदान किया गया। प्रथम दिन करीब 411 रोगियों का फिजियोथेरेपी लिवर के माध्यम से लाभान्वित किया।

असंक्रामक बीमारियां डायबिटीज, हृदय रोग, पक्षाघात एवं तनाव से होने वाली जटिलताओं में कमी लाने के लिए परामर्श, गर्दन, कमर, जोड़ों, कोहनी, पुरानी चोट का दर्द, रीढ़ की हड्डी के छल्लों का छिन्नकना, जोड़ों का जकड़न, गठिया बाय, अस्थि रोगों के ऑपरेशन के बाद के रिकवरी, कंधे का जाम होना, मुँह का टेढ़ापन, साँटका (सिंग बाय), सुनपन, बच्चों का समय पर विकास न होना (सेरेब्रल पाल्सी), वृद्धावस्था की बीमारियां, पाकिस्तान, चिकित्सालय के बाद जोड़ों का दर्द आदि से सम्बंधित चिकित्सा सुविधाओं का लाभ आमजन को दिया गया। 27 अप्रैल तक नियमित लिवरों का आयोजन किया जाएगा।



झालावाड़. राजकीय एसआरजी चिकित्सालय में आयोजित फिजियोथेरेपी लिवर में रोगियों की जांच करते चिकित्सक।

भवानीगढ़ी. चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग ने कर्मी के समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मंगलवार से तीन दिवसीय फिजियोथेरेपी उपचार शिविर शुरू हुआ। चिकित्सालय प्रभारी रोहित कुमार ने बताया कि चिकित्सक मोहित मेहरा द्वारा डायबिटीज, हृदय रोग, गर्दन, कमर, जोड़ों, कोहनी, घुटने के दर्द एवं मांसपेशियों में खिंचाव, रीढ़ की हड्डी छिन्नकना, चिकित्सालय के दौरान जोड़ों के दर्द को पूरी तरह से एक्ससाइज द्वारा ठीक किया जाएगा। दो दर्जन से अधिक मरीजों ने उपचार कराया।

खानपुर. सोएलसी में लिवर का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं यूपी वीरनेन मेडिकल नगर ने किया। अग्रजता भाग्य चंदल अग्रज केजल पटेल, लीडिंग मेडिकल सुनम, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अर्जुन कागना, मुख्य नेशन और भवन मेला सहित पदाधिकारी उपस्थित थे। फिजियोथेरेपी डॉ. कमल नगर ने रोगियों को परामर्श दिया। चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. महावीर शर्मा ने बताया कि चिकित्सालय में 25 से 27 अप्रैल तक होने वाले लिवर में बीमारियों के बारे में परामर्श दिया जाएगा।

झालावाड़, सोमवार 05 फरवरी 2018

jhalawar patrika

अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने पर खुशी जताई

झालावाड़ @ पत्रिका. अंडर 19 क्रिकेट में भारत के विश्व विजेता बनने पर रविवार को गढ़पार्क परिसर में जिला ओलम्पिक संघ तथा खेल संघों द्वारा खुशी व्यक्त की गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष दिनेश सकसेना ने कहा कि भारत खेलों का भविष्य उज्जवल है। युवा खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन विश्व स्तरीय है। भारत में खेलों का माहौल बन रहा है। जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष ओम पाठक ने कहा कि अंडर-19 में क्रिकेट में भारत का विश्व विजेता बनना हर भारतीयों के लिये गौरव की बात है। खिलाड़ियों पर हमें गर्व करना चाहिए जो भारत देश का नाम रोशन विश्व में करते हैं। कार्यक्रम में सचिव जिला ओलम्पिक संघ शारीरिक शिक्षक अलीम बेग, एथलेटिक संघ के सचिव भगवती प्रकाश, सॉफ्टबॉल संघ अध्यक्ष राधाकृष्णन सिकरवार, रामचन्द्र चन्द्रवाल कोच, रामकुमार, अशोक कुमार, रमेशचन्द्र, दिनेश कुमार,



सत्यनारायण, मांगीलाल, सोहनलाल देवड़ा, सहित संघों के सदस्य और खेल प्रेमियों ने खुशी व्यक्त की। जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता में विश्व विजेता बनने पर कोच राहुल द्रविड को बधाई दी है। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव फारूख अहमद, राष्ट्रीय खिलाड़ी इमरान खान, इकबाल खान, मोहम्मद इदरीस, इनाम जफर, अरमान खान व शाबान खान मौजूद थे।



झालावाड़ गढ़पार्क परिसर में खुशी मनाते जिला ओलम्पिक संघ के पदाधिकारी तथा खेल संकुल में खुशी मनाते खेल प्रेमी व खिलाड़ी।

दैनिक नवज्योति

6

शुक्रवार

कोटा, 16 फरवरी, 2018

दिव्यांगजनों के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया

न्यूज सर्विस/नवज्योति, झालावाड़।

युवा मामलात एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की खेलो इण्डिया योजनाअंतर्गत स्पेशल ओलम्पिक्स भारत, राजस्थान द्वारा दिव्यांगजनों हेतु जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 28 फरवरी तक महाराजा हरीश चन्द्र क्रिकेट ग्राउंड झालावाड़ में किया जा रहा है। इसमें 8 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग के दिव्यांगजन प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु स्पेशल ओलम्पिक्स भारत, राजस्थान द्वारा नामित स्थान महिमा मेडिकल स्टोर, झालावाड़ पर अपना नामांकन प्रतियोगिता हेतु 16 से 21 फरवरी तक करवा सकते हैं। इसके पश्चात् नामांकन नहीं किया जाएगा। प्रतियोगिता हेतु मानसिक दिव्यांगजनों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस हेतु दिव्यांगजन को अपने दिव्यांग प्रमाण पत्र व आधारकार्ड की प्रतिलिपी एवं एक फोटो जमा करवानी आवश्यक है। प्रतियोगिता के शुभारम्भ के पश्चात् किसी का भी नाम नहीं जोड़ा जाएगा। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, बोचो, फुटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो व क्रिकेट आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। वहीं प्रतियोगिता हेतु आवश्यक टीम संख्या उपलब्ध नहीं होने पर आयोजन कर्ता द्वारा उस प्रतियोगिता को रद्द किया जा सकता है।

जाँबाज पत्रिका

दिव्यांगजन जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता कम्प्यूटिटी कोच प्रशिक्षण कार्यक्रम

झालावाड़। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की "खेलो इण्डिया" योजनाअंतर्गत मानसिक दिव्यांगजनों को खेलकूद गतिविधियों में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्पेशल ओलम्पिक्स भारत राजस्थान व सामर्थ्य सेवा संस्थान के संयुक्त सहयोग से आई.एम.ए. अस्पताल केम्पस में कल सोमवार को कम्प्यूटिटी कोच टेडरिंग प्रोग्राम होगा। नेशनल कोच रामजीलाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के अभिभावक, शिक्षक, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता इत्यादि भाग ले सकते हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलेक्टर भवानीसिंह पालावत, किशोर न्याय बोर्ड के पूर्ण कालिक सचिव प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट हनुमान सहाय जाट, पुलिस विभाग के उपाधीक्षक छगनसिंह राठी, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक गौरीशंकर मीणा, जिला ओलम्पिक संघ अध्यक्ष दिनेश सकसेना अतिथियों के रूप में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों को कैसे खेलकूद गतिविधियों से जोड़ा जाए, किन तकनीकों से उनके खेलकूद को प्रभावी बनाया जा सकता है। किस तरह प्रशिक्षण देकर विशेषता पर मानसिक विमर्दों को खेलकूद के लिए प्रभावी खिलाड़ी तैयार किया जाये व स्पोर्ट मेडिसिन पर प्रशिक्षण दिया जायेगा।

झालावाड़ पत्रिका . 12

rajasthanpatrika.com

राजस्थान पत्रिका . झालावाड़ . मंगलवार . 27.02.2018

खेलो इंडिया मैच आज से

झालावाड़ @ पत्रिका. जिला विकलांग संघ एवं विशेष योग्यजन कल्याण संघ के तत्वावधान में खेलो इण्डिया ओलम्पिक्स के तहत मंगलवार को मैच खेला जाएगा। मैच भवानी क्रिकेट ग्राउण्ड में होगा। सुबह 9 बजे मशाल रौली गढ़ भवन से प्रारम्भ होकर भवानी क्रिकेट ग्राउण्ड पहुंचेगी इसके बाद 12 बजे मैच होगा।